समाजशास्त्र विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाजपुर (उ.स.नगर)

वट-वृक्ष

दिनांक- 18/11/23

मानव जीवन के अस्तित्व का आधार हैप्रकृति। प्रकृति और मानव समाज : का अटूट संबंध है। प्रकृति एवं मानव एक दूसरे के पूरक हैं, प्रकृति के बिना मानव समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को विभिन्न रूपों में पूजा जाता है, मान्यता है कि विशिष्ट पेड़-पौधों में देवी देवताओं का वास होता है। इन पेड़-पौधों में तुलसी, पीपल, वट-वृक्ष, बिल्व-वृक्ष आदि प्रमुख है। तुलसी का पौधा तो घर आंगन में विशिष्ट स्थान रखता है। पूजनीय होने के साथसाथ - पेड़-पौधे औषधीय गुणों से भी पूर्ण होते हैं। वट-वृक्ष का अपना विशिष्ट स्थान है। उत्तराखंड में तो वट सावित्री पर्व विवाहित महिलाओं द्वारा बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। वट-वृक्ष के नीचे ही गौतम बुद्ध को बुद्धत्व की प्राप्ति हुई थी। वट-वृक्ष अपने विशाल का आकार और औषधीय गुणों के लिए भी जाना जाता है, इसके विभिन्न भाग अलगअलग व्याधियों के उपचार में प्रयोग होते हैं। वट--वृक्ष के महत्व को ध्यान में रखते हुए समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित उमंगहेल्थ : एंडहैप्पीनेस क्लब के तत्वावधान में दिनांक 18/11/23 को प्राचार्य जी के द्वारा पी जी ब्लॉक (कला संकाय) में एक वट-वृक्ष का पौधा लगाया गया।

समन्वयक **प्राचार्य**